



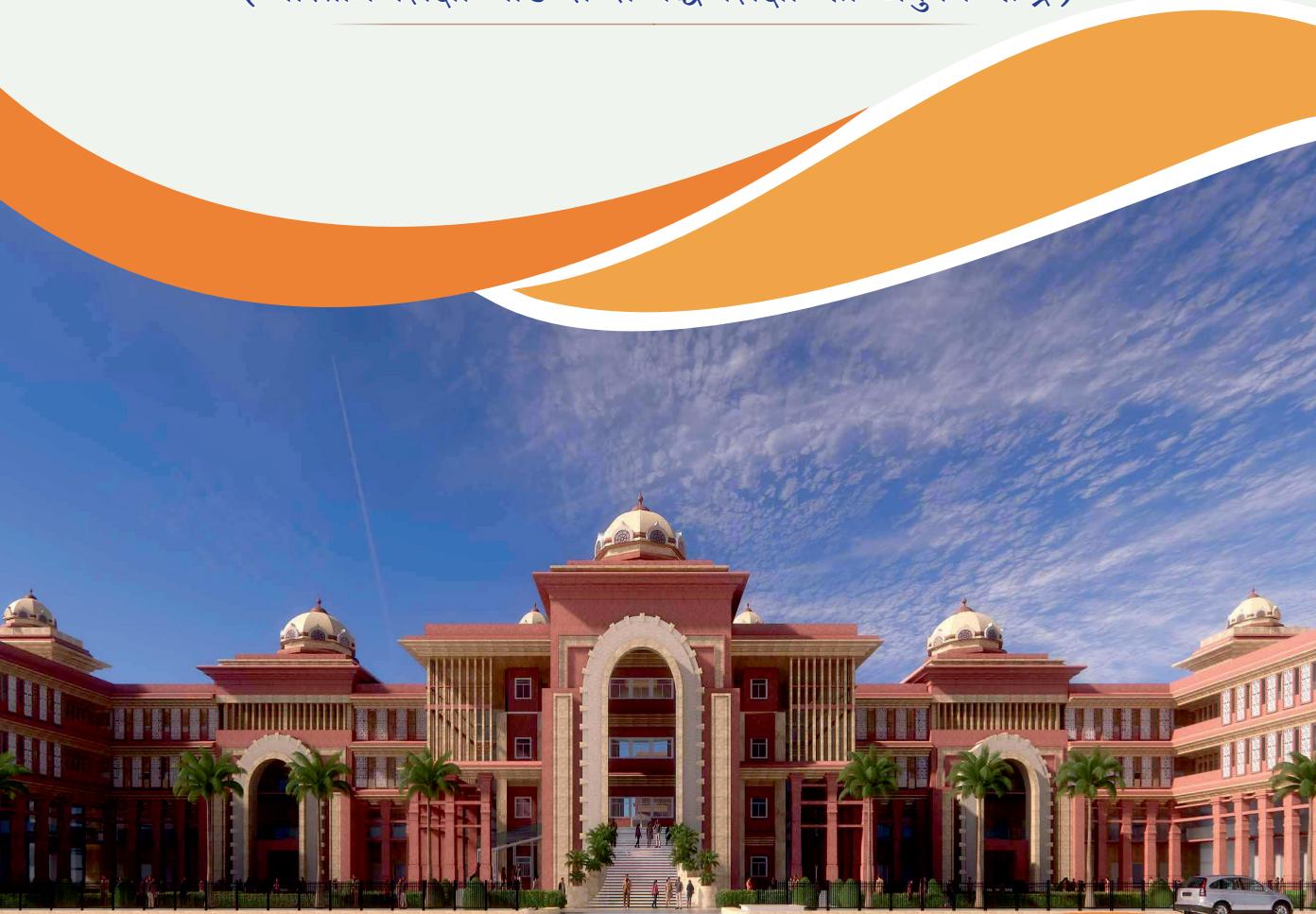
शिक्षा
संस्कारः
अभ्युदयः
निःश्रेयसः



योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के पावन संकल्प व आशीर्वाद से संचालित

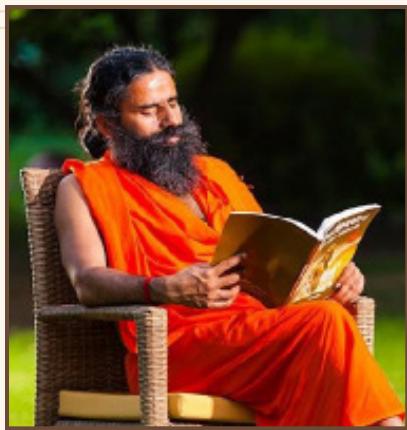
पतंजलि गुरुकुलम्

(भारतीय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध शिक्षा का अनुपम केन्द्र)



विवरण-पुस्तिका
2026-2027

हमारा संकल्प



शिक्षा शब्द सामने आते ही हमारे मन व मस्तिष्क में कई प्रकार से विचार उठते हैं। प्रथम शिक्षा की गुणवत्ता, स्तर या पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसका हम वैश्विक दृष्टि से हम उसका मूल्यांकन करने लगते हैं। दूसरा बिन्दु होता है शिक्षा के बाद विद्यार्थी का भविष्य अर्थात् शिक्षा पूर्ण होने पर विद्यार्थी के शेष जीवन में उस शिक्षा के आधार पर उसकी वैयक्तिक, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, राजनैतिक या वैश्विक उपयोगिता क्या होगी? तीसरा महत्वपूर्ण बिन्दु होता है एक आदर्श एवं सर्वाङ्गीण शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप कैसा होना चाहिए? जिससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास हो सके। पतंजलि गुरुकुलम् में जो शिक्षा-दीक्षा हम दे रहे हैं, उसका संक्षेप में हम तीनों बिन्दुओं पर गंभीरतापूर्वक विश्लेषण करेंगे तो पायेंगे कि पतंजलि गुरुकुलम् की शिक्षाव्यवस्था सर्वश्रेष्ठ व आदर्श है। गुरुकुल का पाठ्यक्रम सर्वश्रेष्ठ है, इसमें प्रधान विषय संस्कृत एवं शास्त्र होते हुए भी अंग्रेजी व विज्ञान आदि विषयों का भी समावेश है। गुरुकुलम् का हमारा मुख्य लक्ष्य है ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना जो वैदिक ज्ञान परम्परा में पूर्ण दीक्षित हों, साथ ही आधुनिक ज्ञान विज्ञान से भी परिचित हों और गुरुकुलीय शिक्षाव्यवस्था में शिक्षित दीक्षित होकर अपने व्यक्तित्व को शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक व सामाजिक रूप से विकसित करके समाज, राष्ट्र व विश्व में सफलता, समृद्धि एवं विकास का नया इतिहास बना सकें। वैयक्तिक या चारित्रिक रूप से गुरुकुलम् के विद्यार्थी एक महामानव या महापुरुष की तरह विकसित होंगे। उनके जीवन में विविध कुशलताओं के साथ मानवता, देवत्व व ऋषित्व का पूर्ण विकास होगा। संस्कृत एवं विविध शास्त्रों की कुशलता के साथ योग एवं आयुर्वेद की कुशलता, वक्तृत्व, कला, संगीत, कृषि, व्यवसाय, प्रबन्धन, अनुसंधान एवं विविध प्रकार के नेतृत्व की कुशलता सात्त्विक रूप से विकसित होगी। विविध भाषाओं की पूर्ण कुशलता एवं अर्थज्ञान की पूर्ण शिक्षा-दीक्षा होने से विद्यार्थी पूरे विश्व में नई संभावनाएँ खोजने एवं नये-नये कीर्तिमान बनाने में सफल होंगे।

पतंजलि गुरुकुलम् में विद्याभ्यास, योगाभ्यास एवं श्रेष्ठ व्रताभ्यास इन तीनों बातों को हम समान रूप से महत्व देते हैं। विद्याभ्यास से विद्यार्थियों का समग्र बौद्धिक विकास, योगाभ्यास से शारीरिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास तथा श्रेष्ठ दिव्य सात्त्विक व्रतों के अभ्यास से चारित्रिक विकास के द्वारा स्वभाव या प्रकृति में पूर्ण दिव्यता विकसित करना हमारा ध्येय होता है। सभी विवेकशील माता-पिता भी अपने बच्चों को ऐसे ही दिव्य रूप में विकसित होता हुआ देखना चाहते हैं। एक आदर्श विवेकशील अभिभावक के संकल्प

को हम यहाँ गुरुकुल में पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। आइये ! भौतिकवाद, भोगवाद एवं भीड़वाद के इस युग में अपनी सन्तानों के प्रति न्याय कीजिए। उनको बाह्य व आन्तरिक रूप से पूर्ण विकसित होने का अवसर दीजिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल यान्त्रिक रूप से मनुष्य को मात्र तकनीकी तौर पर ही विकसित करना नहीं है अपितु शारीरिक, बौद्धिक व आध्यात्मिक रूप से मानवीय चेतना के समग्र संतुलित दिव्य विकास की प्रक्रिया साधन व साधना है। ऐसी ही विकसित आत्माओं ने संसार में महान् कार्य किए हैं। आपके कुलवंश से भी ऐसी दिव्य सन्ताति तैयार हो, इसके लिए अपनी प्रतिभावान् सन्तानों को पतंजलि गुरुकुलम् में पढ़ाइये। मैं आपको आश्वासन देता हूँ, मेरी यह दृढ़ सत्य संन्यासी प्रतिज्ञा है कि आपकी सन्तानें गुरुकुल में पढ़कर सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार होंगी। आपको तथा इस राष्ट्र को ऐसी सन्तानों पर गौरव होगा। जीवन का सबसे बड़ा ऐश्वर्य वेदों में निष्ठा या श्रद्धा को कहा गया है- श्रद्धां भगस्य मूर्धनि वचसा वेदयामसि। अखण्ड ज्ञाननिष्ठा, अखण्ड भावनिष्ठा, अखण्ड पुरुषार्थ या कर्मनिष्ठा एवं अखण्ड ध्येयनिष्ठा- इन चारों निष्ठाओं को पुष्ट करती है योगनिष्ठा एवं गुरुनिष्ठा। योगनिष्ठ व्यक्ति गुरु परम्परा, ऋषि परम्परा एवं वेद परम्परा के प्रति पूर्ण निष्ठावान् होता ही है। इन दिव्य निष्ठाओं से युक्त व्यक्ति के जीवन में कभी भी अज्ञान, अंधेरा, असफलता, निराशा, कुंठा, आत्मग्लानि, दुर्विचार, दुर्भावना, दुष्कर्म, दुर्गुण, दोष, दुर्बलताएँ या किसी भी तरह का अशुभ आ ही नहीं सकता।

पतंजलि गुरुकुलम् में हम इसी निष्ठातत्त्व को सर्वोपरि प्राथमिकता देते हैं। चौबीसों घंटे ऐसा वातावरण, प्रशिक्षण दिया जाता है तथा ऐसे ही अभ्यासों से उसे ढाला जाता है जिससे विद्यार्थी के जीवन में सम्पूर्ण दिव्यता घटित या प्रतिष्ठित हो जाये। यद्यपि पुरुषार्थ व प्रारब्ध भेद से उच्च, मध्यम व सामान्य कोटि तीन प्रकार की आत्माएँ संसार में होती हैं। हमारा पूर्ण प्रयत्न प्रथम कोटि की आत्माएँ तैयार करना है। फिर भी मध्यम व सामान्य श्रेणी के भी पतंजलि गुरुकुलम् के विद्यार्थी संसार के अन्य शिक्षण संस्थाओं की दृष्टि से तो हजारों या लाखों गुण श्रेष्ठ होंगे ही।

अपनी सन्तानों को आप कितनी समृद्धि, धन-दौलत, ऐश्वर्य देकर जाते हैं यह महत्वपूर्ण नहीं है, उनको कैसी शिक्षा, संस्कार एवं निष्ठा की दिव्य दौलत या विरासत देते हैं, यही उनके जीवन की कभी भी कम व नष्ट न होने वाली सात्त्विक सम्पत्ति है। संसार के अब तक के इतिहास में ऐसी ही सन्तानों ने या ऐसे ही विद्यार्थी, युवक-युवतियों ने नये कीर्तिमान, इतिहास या सफलताओं के आदर्श स्थापित किये हैं, जो इन दिव्यताओं से युक्त थे। अतः एक विवेकशील माता-पिता की भूमिका निभाते हुए अपनी सन्तानों को पतंजलि गुरुकुलम् में पढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए भीड़ तंत्र से अलग होकर दिव्य मार्ग का चयन कीजिए।

- स्वामी रामदेव

आशीर्वचन



उनमें श्रेष्ठतम नेतृत्व भी पैदा होता है।

पहले भारत का नेतृत्व गुरुकुलों में तैयार होता था, जहाँ पर विद्यार्थी वेद-वेदांगों के साथ-साथ शस्त्रविद्या, नीतिशास्त्र व अर्थशास्त्र का भी अध्ययन करके सही व गलत की विवेचना करने की क्षमता प्राप्त कर लेते थे। तब परिवार, समाज व राष्ट्र में ईमानदार, संयमी, सदाचारी व्यक्तियों का सर्वोपरि स्थान होता था। दुर्भाग्य से आज देश का नेतृत्व कॉन्वेंट स्कूलों एवं ऑक्सफॉर्ड, केंब्रिज, हार्वर्ड, मैसाचुसेट्स आदि विदेशी शिक्षा संस्थानों में तैयार हो रहा है। सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक व बौद्धिक नेतृत्व, हम पतंजलि गुरुकुलम् के माध्यम से तैयार कर रहे हैं। दुर्भाग्य से आज विशेषज्ञों, नेतृत्वकर्ताओं एवं बुद्धिजीवियों में आध्यात्मिकता, भारतीयता व स्वाभिमान के भाव व संस्कार अत्यन्त क्षीण या मृतप्रायः हो गये हैं। हम सभी क्षेत्रों में स्वाभिमान से युक्त ऐसा नेतृत्व तैयार करेंगे जिसमें आधुनिकता व भारतीयता का समग्र समावेश होगा।

पतंजलि गुरुकुलम् देश के लिए श्रेष्ठतम, पूर्ण जागृत नागरिक तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों को मंगलमय जीवन की अनन्त शुभकामनाएं।

- आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि गुरुकुलम् परिचय

‘दिव्य मानव-निर्माण’ योजना व ‘विश्वगुरु भारत’ की संकल्पना को साकार करने के लिए योगत्रृष्णि स्वामी रामदेव जी एवं आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण जी के द्वारा सन् 2013 में आचार्यकुलम् के रूप में शिक्षण संस्थान की स्थापना की गई, जिसका शुभारम्भ तत्कालीन गुजरात के मुख्यमन्त्री एवं वर्तमान में भारत के प्रधानमन्त्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया। इसी शृंखला में शास्त्र एवं गुरुकुलीय पद्धति को और आधिक सुदृढ़ व संवर्धित करने के लिए सन् 2017 में देवभूमि उत्तराखण्ड, हरिद्वार में हिमालय के तराई क्षेत्र में माँ गंगा के निकट पवित्र देवप्रयाग संगम के पास माँ अलकनन्दा के किनारे ‘पतंजलि गुरुकुलम्’ (देवप्रयाग) की स्थापना हुई एवं इसी क्रम में सन् 2018 में ‘पतंजलि गुरुकुलम्’ हरिद्वार (बालक एवं बालिका परिसर) तत्पश्चात् समय-समय पर अलग-अलग परिसरों का उद्घाटन सरसंघचालक पूज्य श्री मोहन भागवत जी, उत्तराखण्ड के मुख्यमन्त्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी आदि पूज्य सन्तों एवं गणमान्यों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

गुरुकुल का नाम महर्षि पतंजलि के सम्मान में रखा गया है, जिन्होंने योग-ज्ञान को सूत्रबद्ध कर भारतीय ज्ञान-परम्परा को सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। यह सनातन आर्ष ज्ञान-परम्परा तथा आधुनिक शिक्षा प्रणाली का दिव्य संगम है। प्राचीन वैदिक गुरुकुलों की परम्परा पर आधारित एवं आधुनिक सुविधाओं से संपन्न इन संस्थानों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है। विद्यालयीय शिक्षा के पश्चात् विश्वविद्यालयीय शिक्षा में व्याकरण एवं दर्शन विषयों का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए भोजन और आवास सहित पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है। अन्य विषयों का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी न्यूनतम सहयोग राशि पर शिक्षा की उचित व्यवस्था है, जिससे हमारे विद्यार्थी समाज की विविध सेवाओं हेतु पूर्ण रूप से तैयार होकर बाहर निकलें।

'Patanjali gurukulam' is the Gangotri of knowledge: Sri Mohan Bhagwat

['Patanjali gurukulam' is the soul of patanjali yogapeeth: Pujya Swami Ramdev Jee Maharaj]

[Patanjali provided the best alternative of indigenous post independence: Acharya Mahamandaleshwar]

['Patanjali gurukulam' is the beginning of renaissance of culture: Pujya Acharya Balkrishna Jee Maharaj]



पतंजलि गुरुकुलम् की सभी शाखाएं 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' से सम्बद्ध हैं।

भारतीय शिक्षा बोर्ड का परिचय

- ✍ भारतीय शिक्षा बोर्ड, भारत सरकार द्वारा पूर्ण विधि व प्रक्रिया से गठित व पूर्ण मान्यता प्राप्त एक राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा बोर्ड है। जिसके द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र देश के किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड (जैसे CBSE आदि) द्वारा जारी प्रमाण-पत्रों के समतुल्य हैं। जो देश-विदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नियमानुसार स्वीकार्य रहेंगे।
- ✍ भारतीय शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्र गौरव, सत्य इतिहास, सांस्कृतिक मूल्य एवं विस्तृत प्राचीन सनातन वैज्ञानिक, ज्ञान परम्पराओं को छात्रों के जीवन में उद्भासित करने वाले पाठ्यक्रम को अपनी पुस्तकों में विशिष्ट स्थान दिया है। जिससे बालक सर्वांगीण विकसित होते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आजीवन सम्पोषण प्राप्त करते हुए अभ्युदय व निश्च्रेयस रूपी मानव जीवन के लक्ष्य को निश्चय ही प्राप्त कर सकेंगे।
- ✍ भारतीय शिक्षा बोर्ड को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग के पत्रांक संख्या File No. 3-16/2017-Skt-1 दिनांकित 06.03.2019 के अंतर्गत स्थापित किया गया है।
- ✍ "एसोशियन ऑफ यूनिवर्सिटीज (AOU) ने अपने पत्रांक संख्या AIU/EV/IN(1)/2022/BSB दिनांकित 03.08.2022 के माध्यम से भारतीय शिक्षा बोर्ड को अन्य राष्ट्रीय व राज्य शिक्षा बोर्डों के समतुल्य रखा है।
- ✍ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय शिक्षा बोर्ड को अपने पत्र संख्या F.11-3/2016-SCH.3 दिनांकित 03.02.2023 के द्वारा एक राष्ट्रीय शैक्षणिक बोर्ड के रूप में अधिसूचित किया है। यह जानकारी शिक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 'बोर्ड्स' कॉलम में भी दर्शायी गई है।
- ✍ भारतीय शिक्षा बोर्ड को 'काउंसिल ऑफ बोर्ड्स ऑफ स्कूल ऐजुकेशन इन इण्डिया' द्वारा सदस्यता भी प्रदान की गई है। (पत्र संख्या COBSC/C.389/2023 दिनांकित 05.01.2023)।
- ✍ भारतीय शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित अधिक जानकारी आप बोर्ड की वेबसाइट www.bsb.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।



गुरुकुल का ध्येय व उद्देश्य

भारतीय ज्ञान परम्परा के बोधपूर्वक पूर्ण जागृत व समर्थ व्यक्तित्व तैयार करना एवं उनके माध्यम से शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक शक्तिसम्पन्न तथा सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व वैज्ञानिक रूप से सामर्थ्यवान परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व का निर्माण करना पतंजलि गुरुकुलम् का मुख्य ध्येय है, जो निम्न उद्देश्यों पर आधारित है-

- **वैदिक विद्वानों का निर्माण-** प्राचीन ऋषि-परम्परा के अनुसार व्याकरण, दर्शन, उपनिषद्, वेद, वैदिक साहित्य, भारतीय प्रामाणिक इतिहास एवं राजधर्म आदि विषयों के सन्दर्भ में प्रामाणिक विद्वान् तैयार करना।
- **नेतृत्व क्षमता का विकास-** विभिन्न क्षेत्रों जैसे- शिक्षा, पत्रकारिता, योग, प्रबंधन, मीडिया, उद्योग, व्यापार, आयुर्वेद चिकित्सा, क्रीड़ा, कला, संगीत, नाट्य, उन्नत कृषि, गोसेवा-संवर्धन, पर्यावरण रक्षा, रक्षा सेवाएं, प्रशासनिक सेवाएं, आर्थिक, राजनैतिक, धर्मिक, सामाजिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित करने हेतु बौद्धिक व राष्ट्रीय नेतृत्व तैयार करना। हम विद्यार्थियों में भौतिक व आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों की महिमा, उपयोगिता व आर्कषण का समान रूप से संप्रेषण करेंगे। उन्हें विश्व कल्याण हेतु ऐसे विराट् व्यक्तित्व के रूप में निखारेंगे जो अपनी समस्त आंतरिक दुर्बलताओं पर विजय प्राप्त कर शुभ संकल्पों के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में बड़ी सेवाओं में अपना विशिष्ट योगदान दे सकेंगे। एतदर्थ समुचित प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी कुशलता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। हमें विश्वास है- भारत में 20-25 वर्षों के बाद सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धर्मिक एवं आध्यात्मिक आदि सभी क्षेत्रों में एक बहुत बड़ा दिव्य आध्यात्मिक नेतृत्व पतंजलि योगपीठ से शिक्षा-दीक्षा-संस्कार पाने वाले युवक-युवतियाँ करेंगे। हम 2050 तक के महाशक्ति सम्पन्न भारत एवं भारत की 500 वर्षों की आधरशिला गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, विश्वविद्यालय एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से तैयार करेंगे।
- **पारम्परिक शिक्षण व्यवस्था-** गुरुकुलम् में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं को दसवीं कक्षा तक सभी आधुनिक व पारम्परिक विषय पढ़ाये जायेंगे। तदुपरांत आवश्यकतानुसार कला संकाय के विषयों सहित अपनी पारम्परिक विधाओं का ही शिक्षण कराया जायेगा।
- **शिक्षण में हिन्दी/संस्कृत माध्यम की वरीयता-** सदियों तक गुलामी के चिह्नों को ढोने के कारण अंग्रेजी माध्यम ही शिक्षा का श्रेष्ठ माध्यम है ऐसी पराधीनतायुक्त, दुराग्रहपूर्ण मानसिकता को तोड़ते हुए भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक नई क्रांति के रूप में पतंजलि गुरुकुलम् ने पठन-पाठन को शुद्ध भारतीय भाषाओं में करने-कराने का पावन संकल्प लिया है। कोमल बाल मस्तिष्कों पर ज्ञान को एक विदेशी भाषा के माध्यम से ही ग्रहण करने की बाध्यता व बोझ को दूर करते हुए गुरुकुलम् में मुख्य शिक्षण माध्यम हिंदी व संस्कृत को ही रखा गया है। अंग्रेजी का समुचित ज्ञान एक भाषा व विषय के रूप में अवश्य रहेगा एवं साथ में ही बालक को योग्यता व सामर्थ्यानुसार कम से कम एक और रुचि व योग्यतानुसार और अधिक विदेशी भाषाओं का भी सम्यक् ज्ञान व अभ्यास कराया जायेगा। हिंदी व संस्कृत के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को भी यथावसर गैरवपूर्ण स्थान देने का प्रयास गुरुकुलम् की ओर से रहेगा।
- **भविष्य योजना एवं कार्य नियोजन-** परम पूज्य महाराज श्री की इस दिव्य नेतृत्व निर्माण योजना में जो भी समर्थ, अनुशासित व निष्ठावान् बालक उनके निर्देशन में अपनी शिक्षा पूर्ण करेंगे उनके भविष्य योजना (Career Planning) एवं 100% कार्य नियोजन (Job Placement) की उपयुक्त व्यवस्था पतंजलि संस्थान की ओर से होगी। योग्य, निष्ठावान् व समर्पित छात्र-छात्राओं को उनकी योग्यता, दक्षता व संस्थान की आवश्यकताओं अनुसार सवेतन विभिन्न सेवाकार्यों/ निकायों में 100% नियोजित किया जायेगा।

परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज द्वारा प्रदत्त ज्ञान संकल्प

गुरुकुल परिवार के (अभिभावक, शिक्षक, विद्यार्थी आदि)

सभी सदस्यों से अपेक्षित आचरण

1. ज्ञान पक्ष

बचपन से ही बच्चों का बौद्धिक विकास हमारा मूल लक्ष्य है। 3 से 5 भाषाओं का बोध, ब्रेन की डिवाइन प्रोग्रेमिंग अर्थात् 100 प्रतिशत दिव्यता या पूर्ण सात्त्विकता में जीने का अभ्यास, आहार, विचार, वाणी, व्यवहार व स्वभाव के स्तर पर पूर्ण पवित्रता या आध्यात्मिकता के साथ-साथ 'मेरा जन्म केवल मात्र वेदधर्म व राष्ट्रधर्म के लिए जीने, इसके लिए सर्वस्व अर्पित करने एवं अन्तः इसी के लिए मरना भी पड़े तो मुझे स्वीकार्य है।' ये भाव बच्चों व उनके माता-पिता व अन्य अभिभावकों में भरना- यह पतंजलि गुरुकुलम् की प्राथमिकता है। एतदर्थ बच्चों को बचपन से ही विविध भाषा, विविध विषय की शिक्षा का पाठ्यक्रम, संस्कार, विविध कुशलताएं एवं श्रेष्ठ जीवन का अभ्यास, सब प्रकार की यथोचित तपस्या, यम-नियमों का पालन हम करायेंगे। इसके अतिरिक्त जिन माता-पिता का अपने सन्तानों को लेकर अन्य ध्येय है, अन्य करियर के बारे में सोचते हों वे इस मार्ग पर न आयें; क्योंकि संसार के अन्य मार्ग पर चलने वाली एक बहुत बड़ी भीड़ है। वे ऐसे सपनों के लिए अन्य संस्थानों को चुन सकते हैं।

2. आचरण पक्ष

(i) विद्यार्थियों व शिक्षकों से अपेक्षित आचरण

स्थूल दोषों से मुक्त रहकर, सूक्ष्म दोषों को अनुभव करके पूरी ईमानदारी से उनको दूर करने के लिए संकलिप्त रहें। एक आदर्श ईश्वर पुत्र, ऋषि-ऋषिकाओं व वीर-वीरांगनाओं की सन्तान तथा भारत माता या धरती माता की श्रेष्ठ सन्तानों को जैसा आचरण रखना चाहिए वैसा ही आचरण हमारे आचार्यों, विद्यार्थियों व स्नातकों का हो। यह सत्य है कि अनादि काल से हमारे साथ जुड़ा कर्माशय, संस्कार, इस जन्म का स्वभाव व प्रवृत्ति दोष हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती या बाधा बनकर बीच में आये गा, लेकिन दृढ़ संकल्प व उत्साह के साथ विवेकपूर्वक योग, साधना व तपःपूत वातावरण में गुरुजनों के पावन सान्निध्य, आशीर्वाद, आज्ञानुवर्तन, प्रियाचरण एवं प्रभुकृपा से हम इस समस्या पर भी विजय पा निश्चय ही अपने समस्त अशुभसंस्कारों को दग्धबीज करेंगे। इस पवित्र सङ्कल्प को हमें अपने जीवन में प्रतिपल क्रियान्वित करना है।

(ii) अभिभावकों से अपेक्षित आचरण

1. अभिभावकों का श्रद्धेय स्वामी जी व उनके दिव्य भव्य आध्यात्मिक भारत व आध्यात्मिक विश्व के संकल्प की पूर्ति हेतु 'दिव्य मानव निर्माण योजना' से पूर्णतः सहमत होना आवश्यक है।
2. छात्रों के अभिभावक स्वधर्म (वेदधर्म, मातृधर्म, पितृधर्म, राष्ट्रधर्म) के प्रति पूर्ण निष्ठावान् होने चाहिए। बालक-बालिकाओं के प्रति पूर्ण स्नेह के साथ-साथ उनके उत्कर्ष हेतु उनमें उदारता व कठोरता होनी चाहिए। संस्थान के प्रति पूर्ण समर्पित, ईमानदार एवं निष्ठावान् हों।
3. माता-पिता बच्चों से कोई भी व्यक्तिगत अपेक्षा न रखें जैसे प्राचीन काल में राजवंश में पैदा हुआ व्यक्ति बचपन से प्रतिपल यही सोचता था कि तेरा जन्म राज करने, अपने साम्राज्य का न्यायपूर्ण विस्तार करने या राजधर्म के लिए हुआ है, उसको वैसा ही 100% वातावरण व प्रशिक्षण दिया जाता था तथा वैसे ही उसके प्रशिक्षक होते थे, जो उसके मन, प्राण, आत्मा यहाँ तक कि अवचेतन मन में भी यह भाव गहरा बैठा देते थे। वैसे ही इन

बच्चों को हम ये विचार एवं संस्कार देने वाले हैं कि तुम्हारा जन्म ऋषिधर्म, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सेवाधर्म के लिए ही हुआ है।

4. जैसे एक फाइटर पॉयलेट, डॉक्टर या इंजीनियर आदि को बनाने में बहुत संसाधन व अर्थ लगता है, वैसे ही 'दिव्य मानव निर्माण योजना' में संस्था का बहुत कुछ दांव पर लगता है। संस्था के प्रमुख लोगों सहित संस्था की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का पूरा जीवन इस कार्य में लगा हुआ है, यह विद्याकार्य पतंजलि संस्था के आत्मा के स्थान पर है। इन मूलभूत निर्देशों को माता-पिता भली-भाँति जानकर एवं समझकर ही अपने बालकों का गुरुकुलम् में प्रवेश करायें।

अभिभावकों हेतु निर्देश :

1. सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि संस्थान द्वारा जो भी नियम, मर्यादाएं व व्यवस्थाएं निर्धारित की गई हैं उन्हें भलीभाँति समझ लें तथा पूर्ण सहमत होने पर ही अपने बच्चों का गुरुकुल में प्रवेश कराएं।
2. कन्याओं के प्रवेश हेतु अभिभावक देवप्रयाग या हरिद्वार में स्थित जिस भी परिसर में प्रवेश कराना चाहते हैं उसका स्पष्ट उल्लेख प्रवेश फार्म में कर दें। चयनित परिसर में संख्या पूर्ण होने पर आपकी सहमति से दूसरे परिसर में प्रवेश दिया जाएगा किंतु प्रवेश के बाद परिसर बदलने की अनुमति नहीं है।
3. प्रवेश के समय एवं प्रत्येक अभिभावक शिक्षक सभा (PTM) में अभिभावकों (माता-पिता दोनों) की उपस्थिति अनिवार्य है।
4. गुरुकुल में प्रवेश लेते समय अभिभावकों द्वारा दी गई किसी भी सूचना अथवा तथ्यों में भविष्य में यदि कोई भी त्रुटि पाई जाती है या यह पाया जाता है कि कोई तथ्य छिपाया गया या गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया है तो इसके परिणामस्वरूप गुरुकुल प्रबंधन को यह अधिकार होगा कि विद्यार्थी को गुरुकुल से निष्कासित अथवा दण्डित कर सकें।
5. स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र हेतु 15 दिन पहले लिखित आवेदन दिया जाना आवश्यक है।
6. अभिभावकों का शिक्षण कक्ष अथवा छात्रावास कक्ष में प्राचार्य महोदय की अनुमति के बिना प्रवेश करना निषिद्ध है।
7. बच्चों से मिलने अथवा संस्था के किसी कार्यक्रम में भाग लेने आए अभिभावकों को अपने आवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।
8. आवश्यकता होने पर विद्यार्थी 1 माह में एक बार 10 मिनट तक अपने घर पर फोन से बात कर सकते हैं।
9. समय-समय पर महत्वपूर्ण सूचनाएं अभिभावकों को SMS, E-mail या Whatsapp द्वारा भेजी जाएंगी। अतः अभिभावकों द्वारा पता (Address) अथवा मोबाइल फोन नंबर में किसी भी प्रकार का बदलाव किए जाने पर गुरुकुल प्रबन्धन को लिखित रूप से अवगत करा दें।
10. विद्यार्थियों से मिलने व अवकाश सम्बन्धी व्यवस्था :-
 - i) बालक के जन्मदिवस पर आकर यज्ञ में सम्मिलित हो सकते हैं एवं उस दिन 2 घण्टा बालक/बालिकाओं से मिल सकते हैं। उक्त अवसर पर अभिभावक अपनी ओर से सम्पूर्ण गुरुकुल के विद्यार्थियों के लिए फल, मिष्टान्न व भोजन आदि की व्यवस्था कर सकते हैं।
 - ii) माता-पिता अपने बच्चों से 2 माह में एक बार महीने के अन्तिम रविवार के दिन प्रातः 11:00 बजे से सायं 05:00 बजे के बीच अधिकतम 2 घण्टे तक विद्यार्थी से मिल सकते हैं।
 - iii) सम्पूर्ण वर्ष में मात्र एक बार दीपावली के अवसर पर 20 दिन का अवकाश प्रदान किया जाएगा।
 - iv) अवकाश समाप्ति पर गुरुकुल में समय से उपस्थित न होने पर प्रतिदिन 500/- दण्ड शुल्क देना होगा।

v) माता-पिता अपने अतिरिक्त अधिकतम तीन व्यक्तियों को विद्यार्थी से मिलने या ले जाने हेतु फोटो व हस्ताक्षर के साथ अनुमोदित करके अधिकृत कर सकते हैं। इन अधिकृत व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी अन्य को विद्यार्थी से मिलने अथवा ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अपरिहार्य स्थितियों में माता-पिता द्वारा दिए गए आवेदन पर विचार किया जा सकता है।

- गुरुकुल के किसी भी कर्मचारी को कोई भी उपहार या नगद राशि न दें। ऐसा किए जाने पर अभिभावक व कर्मचारी दोनों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
- सामर्थ्यवान अभिभावक बच्चों को खेल-कूद का सामान जैसे साईकिल, बैडमिंटन, फुटबॉल आदि देकर अथवा अन्य प्रकार के दान के माध्यम से भी बच्चों के विकास में अपना सहयोग दे सकते हैं।
- गुरुकुल प्रबंधन द्वारा समय-समय पर लागू किए जाने वाले नियम सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकगणों को मानने होंगे।

विद्यार्थियों हेतु निर्देश

- सभी विद्यार्थी स्वयं को उत्साहित एवं ऊर्जान्वित रखते हुए समस्त दिनचर्या का पालन पूर्ण मनोयोग से करें।
- विद्यार्थी गुरुजनों के प्रति पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा रखते हुए गुरु-आज्ञा का पूर्णतः पालन करें।
- गुरुकुलीय अनुशासन एवं मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए शालीन वेश-भूषा धारण करें, प्रेमपूर्ण व्यवहार तथा परस्पर सम्मान व सहयोग की भावना रखें।
- अनावश्यक विषयास्कृत से दूर रहकर अध्ययन पर ध्यान केंद्रित रखें।
- ईर्ष्या-द्वेष, चोरी, झूठ, प्रमाद-आलस्य, अश्वील वार्ता तथा अशालीन आचरण आदि अकरणीय कार्य न करें।
- मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, आभूषण, निषिद्ध खाद्य पदार्थ तथा अनधिकृत वस्तुएँ गुरुकुल परिसर में रखना पूर्णतः वर्जित है।
- अपने परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग दें।
- सार्वजनिक संपत्ति, पेड़-पौधों एवं परिसर की किसी भी वस्तु को हानि न पहुँचाएं। गुरुकुल की संपत्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुँचाने पर उसकी क्षतिपूर्ति विद्यार्थी की इंग्रेस्ट राशि से की जाएगी।
- अवकाश उपरांत समय पर गुरुकुल में उपस्थित होना आवश्यक है, अन्यथा विलंब की स्थिति में निर्धारित दंड लागू होगा।
- किसी भी समस्या, असुविधा या स्वास्थ्य सम्बन्धी स्थिति की सूचना तुरंत सम्बन्धित आचार्य या प्रभारियों को अवश्य दें।



**पतंजलि गुरुकुलम् में शिक्षा की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क है,
परन्तु व्यवस्थागत सहयोग हेतु अत्यल्प सहयोग राशि ली जाती है।**

सहयोग राशि विवरण / Contribution Amount

1.	प्रवेश (Admission)	10,000
2.	शिक्षा (Tuition)	00
3.	व्यवस्थागत सहयोग-भोजन + आवास (Hostel + Mess)	1,00,000
4.	पुस्तकालय (Library)	00
5.	संगणक (Computer)	00
6.	बेसिक चिकित्सा व्यवस्था (Basic Medical Facility)	00
7.	बेसिक संगीत व अन्य गतिविधियाँ (Basic Music + Other Activities)	00
8.	बेसिक खेल-कूद (Basic Games)	00
9.	सुरक्षा (Security)	5,000
10.	विद्यार्थी व्यय (Imprest)	21,000
	Total Amount	1,36,000.00

सहयोग राशि से सम्बन्धित नियम

- उपर्युक्त प्रवेश शुल्क एवं सुरक्षा शुल्क केवल प्रथम वर्ष हेतु देय है। आगामी वर्षों में मात्र भोजन-आवास एवं विद्यार्थी व्यय (Imprest) देय होगा। विद्यार्थी व्यय (Imprest) पूरे वर्ष न्यूनतम रुपये 7000 बनाए रखना अनिवार्य है।
- कक्षा 10 तक सहयोग राशि मात्र रुपये 100000 प्रतिवर्ष एवं कक्षा 11 व 12 में मात्र रुपये 50000 रहेगी। यह राशि दो किस्तों में, जिनमें प्रथम किस्त 1-10 अप्रैल एवं द्वितीय किस्त 1-10 अक्टूबर के मध्य जमा करानी अनिवार्य है।
- जो अभिभावक सहयोग राशि समय पर जमा नहीं करेंगे उन्हें प्रतिदिन का 100/- एवं 10 दिन के बाद प्रतिदिन का 500/- रुपये विलंब शुल्क देना होगा।
- जमा कराई गयी कोई भी धनराशि (प्रवेश शुल्क, फीस, इम्प्रेस्ट) किसी भी परिस्थिति में लौटाने योग्य नहीं (Non-Refundable) है।
- संस्था द्वारा बच्चों की शिक्षा व्यवस्था हेतु ली जा रही सहयोग राशि प्रतीकात्मक है, यह पूर्ण शुल्क नहीं है।
- प्रतिवर्ष 95% से अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों हेतु 25,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

खाता विवरण (Account Details)

पतंजलि गुरुकुलम्, हरिद्वार (बालिका/Girls)

Account Name	:	Patanjali Gurukulam Haridwar
A/C No.	:	4871002100003101
IFSC Code	:	PUNB0487100
Name of the Bank	:	Punjab National Bank
Bank Branch	:	Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar



पतंजलि गुरुकुलम्, हरिद्वार (बालक/Boys)

Account Name	:	Patanjali Gurukulam Yoggram
A/C No.	:	4871002100003110
IFSC Code	:	PUNB0487100
Name of the Bank	:	Punjab National Bank
Bank Branch	:	Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar



पतंजलि गुरुकुलम्, देवप्रयाग (बालिका/Girls)

Account Name	:	Patanjali Gurukulam
A/C No.	:	4871000100121056
IFSC Code	:	PUNB0487100
Name of the Bank	:	Punjab National Bank
Bank Branch	:	Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar



गुरुकुल की मुख्य विशेषताएं

- ✓ नवीन शिक्षा व्यवस्था के अन्वेषक के रूप में पतंजलि गुरुकुलम् में सनातन श्रुति परंपरा के साथ-साथ अत्याधुनिक विधाओं व उपकरणों से सुसज्जित परिसर बनाया गया है। जहाँ छात्र एक ओर संस्कृत, वेद-वेदांग, उपनिषद्, दर्शन इत्यादि में दक्षता प्राप्त करते हैं, वहाँ दूसरी ओर वे आधुनिक शिक्षा पद्धति के अनुरूप अंग्रेजी भाषा, अंग्रेजी सम्भाषण, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला एवं शिल्प व खेलों की शिक्षा भी प्राप्त करते हैं।
- ✓ गुरुकुल में जाति वर्ग या क्षेत्र के नाम पर बालक-बालिकाओं के साथ भेद-भाव मुक्त व्यवहार किया जाता है।
- ✓ पतंजलि गुरुकुलम् के स्वच्छ, सुंदर व दिव्य परिवेश में विद्यार्थियों को मोबाइल, इंटरनेट एवं टीवी स्क्रीन के विषैले प्रभाव से सर्वथा दूर रखा जाता है।
- ✓ शिक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व सभी छात्र-छात्राओं का वैदिक विधि-विधान से 'उपनयन संस्कार' किया जाता है।
- ✓ प्राचीन ज्ञान परम्परा से अवगत कराने के लिए गुरुकुल में योग, यज्ञ, स्वाध्याय, वेदपाठ, ध्यान, उपासना, गायत्री जप व त्राटक आदि अनेकानेक वैदिक स्वाध्याय-विधियों का बोध कराने के साथ समय-समय पर प्रसिद्ध विद्वानों व गुरुजनों का प्रवचन व उद्घोधन कराया जाता है।
- ✓ बालकों में भाषाई दक्षता व सम्भाषण कौशल विकसित करने के लिए हिंदी व संस्कृत तथा विभिन्न वैदेशिक भाषाओं यथा अंग्रेजी, स्पेनिश, रशियन, फ्रेंच व जैपनीज आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- ✓ शारीरिक दृढ़ता, अनुशासन व आत्मनिर्भरता पैदा करने के लिए छात्रों हेतु गुरुकुल में विविध प्रकार के खेलों (कबड्डी, कुशती, खो-खो, शतरंज, दौड़, थ्रो बॉल, डॉजबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, मार्शल आर्ट्स व स्केटिंग आदि) का प्रशिक्षण दिया जाता है। एतदर्थं परिसर में विशाल क्रीडाप्रांगण की व्यवस्था है।
- ✓ छात्रों की प्रतिभा व कौशल को निखारने के लिए जहाँ चित्रकला, हस्तशिल्प व संगीत आदि कला-त्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है, वहाँ वैदिक शास्त्र परम्परा को पुनर्जीवित करने हेतु शास्त्र स्मरण प्रतियोगिताओं का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। जिसमें भाग लेकर विद्यार्थी प्रतिवर्ष 20 हजार से 1 लाख रुपये तक के पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं।
- ✓ पतंजलि गुरुकुलम् में अध्यापकों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाता है। परिसर वात्सल्य एवं ममतापूर्ण हो इसके लिये आचार्यगणों द्वारा बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

उत्तम छात्रावास एवं विद्यालय भवन

पतंजलि गुरुकुलम् में छात्रों को सुरक्षित, अनुशासित और स्नेहपूर्ण पारिवारिक वातावरण प्रदान करने के लिए विशाल छात्रावास की व्यवस्था है, जो कई विशाल भवनों में विभक्त है। इनके स्वच्छ और सुव्यवव स्थित हवादार कक्षों में विद्यार्थी सौहार्दपूर्ण भाव से मिल-जुलकर रहते हैं। स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन तथा अध्ययन हेतु शांत, सकारात्मक और अनुकूल वातावरण इस छात्रावास की प्रमुख विशेषताएं हैं। गुरुकुल में शैक्षिक गतिविधियों को सुचारू एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए नवीन तकनीकों एवं समग्र सुविधाओं से युक्त उत्कृष्ट एवं विशाल विद्यालय भवन का निर्माण किया गया है। इसमें समुचित प्रकाश और वायु-संचार से युक्त कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, नृत्य कक्ष, संगीत-कक्ष, मल्टीएक्टिविटी हॉल तथा खेल के मैदान जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। ये समस्त व्यवस्थाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आदर्श शैक्षिक परिवेश का निर्माण करती हैं।



पतंजलि गुरुकुलम् हरिद्वार (बालिका)



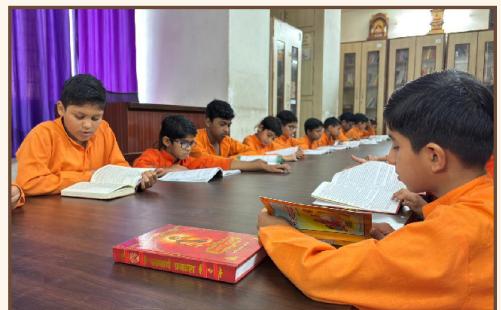
पतंजलि गुरुकुलम् मूल्या, देवप्रयाग (बालिका)

पतंजलि गुरुकुलम् हरिद्वार (बालक)



पुस्तकालय

विशेष ज्ञानार्जन के लिए गुरुकुल में डिजिटल पुस्तकालय है जहाँ विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवीनतम घटनाक्रम से संबंधित समृद्ध सामग्री सहज रूप से उपलब्ध रहती है। विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों के लिए चित्र, लेख एवं कोलाज प्रदर्शित किए जाते हैं। ई-संसाधनों एवं त्वरित संदर्भ सामग्री की उपलब्धता डिजिटल युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। यहाँ प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य के साथ-साथ बच्चों के लिए स्वस्थ मनोरंजन और व्यक्तित्व विकास हेतु कहानियों, महापुरुषों की जीवनियों तथा व्यक्तित्व विकास की पुस्तकें उपलब्ध हैं। साथ ही दैनिक समाचार पत्रों एवं विविध पत्र-पत्रिकाओं की व्यवस्था है।



बहु-उद्देशीय भवन

विद्यार्थियों के बहुआयामी एवं सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल में विशाल 'बहु उद्देशीय भवन' का निर्माण किया गया है जो सांस्कृतिक, शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है। इसमें योगाभ्यास, संगोष्ठियाँ, खेल गतिविधियाँ, विज्ञान प्रदर्शनी, प्रार्थना सभाएँ तथा विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। यह न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करता है, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम-वर्क जैसे सामाजिक गुणों को विकसित करने में भी सहायक है।



‘यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म’ यज्ञ को सर्वश्रेष्ठ कर्म माना गया है, जो कि गुरुकुल की दिनचर्या का अभिन्न अंग है। यज्ञ हेतु गुरुकुल परिसर में विशाल एवं भव्य यज्ञशाला है, जहां विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन ब्रह्मयज्ञ एवं देवयज्ञ का विधिवत् अनुष्ठान किया जाता है। यह न केवल वातावरण के शुद्धीकरण में सहायक है, अपितु शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। सस्वर वैदिक मंत्रों के उच्चारण एवं यज्ञ से उत्पन्न हुई सकारात्मक ऊर्जा के संचार से संपूर्ण परिसर में दिव्यता, पवित्रता और आध्यात्मिक शांति का विशेष वातावरण निर्मित होता है।



भोजनालय एवं पाकशाला

गुरुकुल में भोजन व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित है, जिसके लिए विशाल भोजनालय और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पाकशाला है। भोजन निर्माण हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त शुद्ध, सात्विक एवं पौष्टिक सामग्री का उपयोग किया जाता है। आधुनिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से भोजन बनाने की व्यवस्था है जिससे सभी विद्यार्थियों को समय से एक साथ गर्म व ताजा भोजन उपलब्ध कराया जाता है।



गोशाला

विद्यार्थियों के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास हेतु शुद्ध दुग्धादि की उपलब्धता हेतु बृहत् एवं स्वच्छ गोशाला है। यह भारतीय संस्कृति की गो-सेवा और गो-संरक्षण परंपरा का जीवंत केंद्र है। यहाँ देशी गोवंश का संरक्षण, संवर्धन व पालन-पोषण अत्यंत वैज्ञानिक एवं सात्विक पद्धति से किया जाता है। जहां गोशाला से प्राप्त दुग्ध का उपयोग विद्यार्थियों के स्वास्थ्यवर्धक आहार के रूप में होता है वहीं गोशाला से प्राप्त गोबर आदि का उपयोग जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।



शिक्षण व्यवस्था (पाठ्यक्रम)

कक्षा 8 तक के पाठ्यक्रम एवं पुस्तकें (हिन्दी माध्यम) भारतीय शिक्षा बोर्ड के अनुरूप निर्धारित हैं-

संस्कृत व्याकरण	संस्कृत साहित्य	शास्त्र
हिन्दी	अंग्रेजी	गणित
सामाजिक विज्ञान/पर्यावरण विज्ञान	विज्ञान	कंप्यूटर
चित्रकला	संगीत	विदेशी भाषाएँ (रसियन/फ्रेंच/ जैपनीज़/स्पेनिश)

कक्षा 9 व 10 में पाठ्यक्रम भारतीय शिक्षा बोर्ड के अनुरूप है तथा पुस्तकें NCERT (हिन्दी माध्यम) के अनुसार निर्धारित हैं-

क्र.सं.	विषय
1.	संस्कृत (प्रथमावृत्ति तथा NCERT)
2.	अंग्रेजी
3.	हिन्दी
4.	गणित
5.	विज्ञान
6.	सामाजिक विज्ञान
7.	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (वैकल्पिक)
8.	विदेशी भाषाएँ (जैपनीज़/स्पेनिश/रसियन/फ्रेंच) (वैकल्पिक)

कक्षा 11 व 12 में पाठ्यक्रम भारतीय शिक्षा बोर्ड के अनुरूप है तथा पुस्तकें NCERT (हिन्दी माध्यम) के अनुसार निर्धारित हैं-

क्र.सं.	विषय
1.	संस्कृत (अनिवार्य) (प्रथमावृत्ति तथा NCERT)
2.	अंग्रेजी (अनिवार्य)
3.	हिन्दी
4.	इतिहास
5.	राजनीतिक विज्ञान
6.	अर्थशास्त्र
7.	संगीत (गायन/वादन)
8.	शारीरिक शिक्षा
9.	योगा
10.	वेब-डिज़ाइन
11.	पैटिंग
12.	कंप्यूटर साइंस
13	विदेशी भाषाएँ (जैपनीज़/स्पेनिश/ रसियन/ फ्रेंच) (वैकल्पिक)

नोट:- उपरोक्त विषयों में से छात्र 5 मुख्य विषय तथा एक अतिरिक्त विषय का चयन स्वेच्छा से कर सकते हैं।

सहशैक्षणिक गतिविधियाँ

विज्ञान प्रयोगशाला

गुरुकुल का उद्देश्य केवल सैद्धान्तिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान को जीवंत रूप में समझाना है। पतंजलि गुरुकुल की विज्ञान प्रयोगशाला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और प्रयोगात्मक ज्ञान विकसित करने का एक उत्कृष्ट केंद्र है। इसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान से संबंधित आवश्यक उपकरण, नमूने, मॉडल, रसायन तथा सुरक्षा सामग्री सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हैं। अनुभवी विज्ञान शिक्षक न केवल प्रयोग करने की विधि सिखाते हैं, बल्कि वैज्ञानिक सोच, तर्क शक्ति और समस्या समाधान की क्षमता भी विकसित करते हैं।



संभाषण कौशल

संवाद कौशल विकसित करने के लिए नियमित वार्तालाप प्रशिक्षण, समूह चर्चाएँ, वाद-विवाद, उच्चारण अभ्यास तथा मंच-प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विद्यार्थियों में स्पष्ट एवं प्रभावी संप्रेषण की योग्यता विकसित की जाती है। भाषा-ज्ञान को समृद्ध बनाने के लिए गुरुकुल में सुयोग्य भाषाविदों द्वारा हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी के साथ-साथ रशियन (Russian), फ्रेंच (French), स्पेनिश (Spanish) और जैपनीज़ (Japanese) भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। यह बहुभाषा क्षमता विद्यार्थियों के संवाद कौशल को बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के नए आयामों को खोलती है।



नृत्य प्रशिक्षण

'नृत्य' अभिनय की सबसे प्राचीन, लयपूर्ण और मनोहर कलाओं में से एक है। गुरुकुल में विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए नृत्योपयोगी सुविधाओं से सुसज्जित सुंदर व स्वच्छ नृत्य कक्ष की व्यवस्था की गई है। जिसमें विद्यार्थियों को अनुशासनपूर्वक अनुभवी एवं दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा शास्त्रीय नृत्य की मूलभूत व उन्नत स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है। नृत्य कक्ष की दीवारों पर पूर्ण-लंबाई के दर्पण की व्यवस्था है जो विद्यार्थियों को अपनी मुद्राओं, ताल, लय एवं गतियों का सूक्ष्म अभ्यास करने में विशेष सहायक हैं। यहाँ का सुसंगत वातावरण, शांतिपूर्ण ऊर्जा और समुचित व्यवस्थाएँ सीखने की प्रक्रिया को सुगम बना देती हैं। गुरुकुल का नृत्य कक्ष विद्यार्थियों के भीतर छिपी कलात्मक प्रतिभा को निखारता है और उन्हें आत्मविश्वास, सौंदर्यबोध एवं सांस्कृतिक गौरव से भर देता है।



संगीत प्रशिक्षण

गुरुकुल में विद्यार्थियों को शास्त्रों के साथ-साथ संगीत में भी निष्ठात किया जाता है। संगीत की गायन व वादन विधा को ध्यान में रखते हुए विशाल संगीत कक्ष की व्यवस्था है। पारम्परिक व आधुनिक वाद्ययंत्रों के साथ विद्यार्थियों को संगीत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संगीत कौशल विद्यार्थियों की कला को निखारने, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



कम्प्यूटर प्रशिक्षण

पतंजलि गुरुकुलम् में अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब्स की स्वरूप स्थापना की गई है, जिनमें शताधिक संगणकों (Computers) के माध्यम से विद्यार्थी इंटरनेट, ई-लर्निंग तथा ऑनलाइन संसाधनों का सही उपयोग करना सीखते हैं। हमारे यहां National Institute of Electronics & Information Technology एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड के बीच समझौता ज्ञापन से O level, CCC, Advance Excel जैसे विभिन्न कंप्यूटर कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें विद्यार्थी कोडिंग, डिजिटल डिज्जाइन, डेटा प्रबंधन और टाइपिंग जैसे कौशल को सीखते हैं, जो उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम, आत्मविश्वासी और भविष्य के प्रतिस्पर्धी बनाता है।



योग एवं क्रीड़ा प्रशिक्षण

गुरुकुल में बच्चों के समग्र विकास हेतु योग, व्यायाम तथा विभिन्न खेल-गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जाता है। प्रतिदिन विद्यार्थी प्राणायाम एवं योग का अभ्यास करते हैं। विशेष योगासन, मलखम, डोरी मलखम, कुश्ती, जूँड़ो कराटे, लाठी चालन, तीरंदाजी, लेजियम, तलवार, कलरीपयटु आदि पारंपरिक अभ्यासों के साथ ही वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, हैंडबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, टाईक्रांडो, एथलेटिक्स, स्केटिंग जैसे विविध खेलों का प्रशिक्षण प्रशिक्षित कोचों द्वारा दिया जाता है। समय-समय पर खेल-प्रतियोगिताएँ और प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जो विद्यार्थियों में उत्साह, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।



प्रवेश हेतु निर्देश

प्रवेश के समय लाए जाने वाले (प्रमाण-पत्रों) की सूची:

1. स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (टी.सी) स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जो कि सम्बन्धित बोर्ड अधिकारी या डी.ई.ओ. द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होनी चाहिए।
2. जन्म प्रमाण-पत्र : जन्म प्रमाण-पत्र की मूल प्रति सत्यापन करने के लिए और उसकी एक छायाप्रति जमा कराने के लिए।
3. पूर्ववर्ती वर्ष के रिपोर्ट-कार्ड: पूर्ववर्ती वर्ष के रिपोर्ट-कार्ड की मूल प्रति सत्यापन करने के लिए और उसकी एक छायाप्रति जमा कराने के लिए।
4. चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र (दिए गये प्रपत्र के अनुसार) किसी योग्य चिकित्सक के द्वारा प्रमाणित हो, जिसकी योग्यता कम से कम स्नातक स्तर की हो। (आँख, कान, दाँत विशेष रूप से)
5. विद्यार्थी के वर्तमान के पासपोर्ट फोटो की 6 कॉपी।
6. माता-पिता के वर्तमान के पासपोर्ट फोटो की 2-2 कॉपी।
7. विद्यार्थी एवं अभिभावकों का आई.डी. प्रूफ।
8. परिवार के सभी सदस्यों की सामूहिक फोटो।

नोट:-

सारे प्रमाण-पत्र संतोषजनक पाए जाने पर ही छात्र का प्रवेश सुनिश्चित होगा। प्रवेश सुनिश्चित होने के बाद ही बच्चे की उपस्थिति प्रारम्भ होगी। सभी विवादों के निस्तारण हेतु न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।

विद्यार्थियों द्वारा लाए जाने वाले उपयोगी संभार हेतु निर्देश

1. पतंजलि गुरुकुलम् एवं पतंजलि योगपीठ का मूल एवं महत्वपूर्ण सिद्धान्त 'स्वदेशी' है। इसलिए सभी उपयोग में लाइ जाने वाली वस्तुएं भारतीय निर्माताओं द्वारा निर्मित होनी चाहिए।
2. मोबाइल, कैमरा, आइपॉड, टेबलेट, वॉकमैन और इस तरह का कोई भी इलैक्ट्रॉनिक सामान, इत्र, नेल पॉलिश, लिपस्टिक, लिप-ग्लॉस, सोन-चाँदी के महंगे आभूषण आदि वस्तुएं लाने की अनुमति नहीं होगी।
3. ड्रेस कोड (वेशभूषा) अभिभावकों से प्रार्थना है कि बच्चों को वस्त्र देते समय ध्यान रखें कि वस्त्र पारदर्शी एवं चुस्त (कसे हुए) न हों। पहनावा भारतीय परम्परा पर आधारित, आरामदायक व शोभनीय हो। बालिकाओं के लिए बिना बाजू की पारदर्शी एवं अन्य पाश्चात्य पोशाक पहनने की अनुमति नहीं होगी।

प्रविष्ट बालिकाओं द्वारा लाये जाने वाली वस्तुओं की सूची

क्र.सं.	वस्तु का नाम	संख्या
1.	कुर्ता- आरेंज, पायजामा- सफेद (कढ़ाई से नाम लिखा होना चाहिए)	4 जोड़े
2.	अण्डरगारमेंट्स	6 प्रत्येक
3.	तौलिये	1
4.	रूमाल	6
5.	काला हेयर बैंड, क्लिप, सेफ्टी पिन	यथेष्ट
6.	नेल कटर	1
7.	टूथ ब्रश और टंग क्लीनर	1 प्रत्येक
8.	कंघी, जूँ की कंघी	2
9.	छाता या रेनकोट	1
10.	कपड़े धोने का ब्रश	1
11.	कपड़े सुखाने की क्लिप	1 दर्जन
12.	तेल, साबुन, शैम्पू, डिटर्जेंट आदि (सभी सामान पतंजलि का)	एक महीने हेतु
13.	पानी की बोतल	1
14.	परमानेन्ट मार्कर (मोटा एवं पतला)	1
15.	गिलास और चम्मच	1
16.	दुग्ध हेतु स्टील का डब्बा/डोली (आधा लीटर)	1
17.	ताला-चाबी	1
18.	चप्पल व जूते (स्पोर्ट्स)	1 जोड़ी
19.	चप्पलें	1 जोड़ी
20.	ऊनी शॉल (मैरुन)	1
21.	मोजे (लाइट ब्राउन), ऊनी वस्त्र	4 जोड़े
22.	ओढ़ने वाली चादर व कंबल	1
23.	गर्म अन्तर्वस्त्र (ग्रे कलर)	3
24.	मच्छरदानी	1
25.	एयर बैग छोटा (भ्रमण के लिए)	1

प्रविष्ट बालकों द्वारा लाये जाने वाली वस्तुओं की सूची

क्र० सं०	वस्तु का नाम	संख्या
1.	सफेद कुर्ता-धोती	4 जोड़े
2.	बनियान	4
3.	लंगोट (लाल रंग का)	4
4.	तौलिया	2
5.	रूमाल	6
6.	बैडशीट, ओढ़ने की चादर व कंबल	1-1
7.	ऊनी वस्त्र (मैरुन रंग की)/गर्म अन्तर्वस्त्र (ग्रे कलर)	3-3 जोड़े
8.	मोजे (जुराब)	4 जोड़े
9.	लोवर-टी-शर्ट स्काई ब्लू (स्पोर्ट्स)	3
10.	हाफ कैपरी स्काई ब्लू (स्पोर्ट्स)	3
11.	योगा ड्रेस (टाइटी) नेवी ब्लू	2
12.	योगा मैट (ऑरेंज कलर)	1
13.	छाता या रेनकोट	1
14.	पिट्ठू बैग/एयर बैग (ऑरेंज)	1
15.	चम्मच, गिलास, पानी की बोतल	1-1
16.	दुध हेतु स्टील का डब्बा/डोली (आधा लीटर)	1
17.	परमानेन्ट मार्कर (मोटा व पतला)	1-1
18.	ज्योमेट्री बॉक्स (स्टेशनरी)	1
19.	पेन, पेंसिल, रबर, कटर	
20.	तेल, साबुन, शैम्पू, डिटर्जेंट आदि (सभी सामान पतंजलि का)	एक महीने हेतु
21.	टूथब्रश	2
22.	टंग क्लीनर	1
23.	कंघी	1
24.	चप्पल व जूते (स्पोर्ट्स)	2 जोड़े
25.	नेल कटर	1
26.	कपड़े धोने का ब्रश	1
27.	कपड़े सुखाने की विलप	1 पैकेट
28.	ताला-चाबी	1
29.	मच्छरदानी (सिंगल)	1

गुरुकुलीय दिनचर्या

समयसारणी

क्र० सं०	क्रियाकलाप	समय
1	जागरण	4:00 प्रातः
2	नित्यकर्म एवं मंत्र पाठ	4:00 - 4:30 प्रातः
3	योग	4:30 - 5:15 प्रातः
4	शास्त्र अध्ययन	5:15 - 6:00 प्रातः
5	स्नान	6:00 - 6:45 प्रातः
5	यज्ञ	6:45 - 7:30 प्रातः
6	प्रातराश	7:30 - 8:00 प्रातः
7	विद्यालयसभा	8:00 - 8:15 प्रातः
8	विद्यालयीय कक्षाएं	8:20 - 01:00 अपराह्ण
9	भोजन	01:00 - 01:40 अपराह्ण
10	विश्राम	01:40 - 02:20 अपराह्ण
12	विद्यालयीय कक्षा	02:20- 03:00 अपराह्ण
13	स्वाध्याय	03:00- 04:20 अपराह्ण
14	क्रीडा, कठिन योग, संगीत, चित्रकला, NCC	04:20 - 06:30 रात्रि
15	संध्या एवं ध्यान	06:30 - 07:00 रात्रि
16	रात्रि भोजन	07:00- 07:30 रात्रि
17	शास्त्र आवृत्ति/ स्वाध्याय व दुग्धपान	07:30 - 08:30 रात्रि
18	दन्तधावन आदि, मन्त्रपाठ शयन	09:00 रात्रि

शैक्षणिक कैलेंडर 2026-2027

मास	दिनांक	दिन	अवसर	गतिविधि
अप्रैल			सत्र प्रारंभ	मूल्यांकन परीक्षण
अप्रैल	14/04/26	मंगलवार	बैसाखी	कविता/भाषण
जून	21/06/26		योग दिवस	परम पूज्य गुरुजी महाराज के साथ
जून	तीसरा सप्ताह		पीए- 1	परीक्षा
जून	28/06/26	रविवार	पीटीएम ऑनलाइन	कक्षा अध्यापक द्वारा
जुलाई	29/07/26	बुधवार	गुरु पूर्णिमा	प० प० गुरुजी महाराज के साथ
अगस्त	4/8/2026	मंगलवार	जड़ी बूटी दिवस	प० प० गुरुजी महाराज एवं पूज्य आचार्य जी के साथ
अगस्त	15/08/26	शनिवार	स्वतंत्रता दिवस	सांस्कृतिक कार्यक्रम
अगस्त	28/08/26	शुक्रवार	रक्षाबंधन	उपनयन संस्कार
अगस्त	29/08/26 से 31/08/26	शनिवार	राष्ट्रीय खेल दिवस	अंतर्वर्गीय क्रीड़ा प्रतियोगिता
सितम्बर	4/9/2026	शुक्रवार	कृष्ण जन्माष्टमी	भजन संध्या
सितम्बर	5/9/2026	शनिवार	शिक्षक दिवस	पुरस्कार वितरण
सितम्बर	दूसरा सप्ताह		अर्धवार्षिक परीक्षा	
सितम्बर	30/09/26	बुधवार	पीटीएम ऑनलाइन	प्राचार्य द्वारा
अक्टूबर	20/10/26	मंगलवार	विजयदशमी (दशहरा)	
नवम्बर	1/11/2026	रविवार	वार्षिक समारोह	
नवम्बर	1/11/2026 से 20/11/26			दीपावली अवकाश
नवम्बर	8/11/2026	रविवार	दीपावली	
नवम्बर	24/11/26	मंगलवार	गुरु नानक जयंती	वाद-विवाद प्रतियोगिता
दिसम्बर	26/12/26 से 30/12/26	पीए - 2	परीक्षा	
दिसम्बर	26/12/26	गुरुवार	बीर बाल दिवस	प्रदर्शनी (विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान)
जनवरी	5/1/2027	शनिवार	पतंजलि स्थापना दिवस	सम्पूर्ण पतंजलि परिवार के साथ
जनवरी	26/01/27	मंगलवार	गणतंत्र दिवस	सांस्कृतिक कार्यक्रम
फरवरी	2/2/2027	शनिवार	पीटीएम ऑनलाइन	कक्षा अध्यापक द्वारा कवि सम्मेलन
फरवरी	11/2/2027	गुरुवार	वसंत पंचमी	
मार्च	दूसरा सप्ताह		वार्षिक परीक्षा	
मार्च	22/03/27	सोमवार	होली	पोस्टर प्रतियोगिता
अप्रैल	15/04/27	गुरुवार	रामनवमी	शास्त्र प्रतियोगिता

उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार

शैक्षणिक परिणाम

- शैक्षणिक सत्र 2022-23 में भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 10 की प्रथम बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने 84% से अधिक अंक प्राप्त किये।
- शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में गुरुकुल के छात्रों का परिणाम शत प्रतिशत रहा जिसमें सभी विद्यार्थियों ने संस्कृत विषय में 90% से अधिक अंक प्राप्त किये।
- शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 10 व कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा 12 में 36 छात्र-छात्राओं ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किये।
- संस्थान द्वारा वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक विगत 4 वर्षों में ही गुरुकुल के छात्र-छात्राओं ने 6,07,80,000 रुपये से भी अधिक राशि की छात्रवृत्ति प्राप्त की है।
- पतंजलि योगपीठ द्वारा आयोजित शास्त्र स्मरण प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं को 47,70,800 रुपये की धनराशि प्रदान की जा चुकी है।

क्रीड़ा-क्षेत्र उपलब्धियाँ

पतंजलि गुरुकुलम् के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न खेलों में उत्साह पूर्वक भाग लिया गया एवं उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण यहां के विद्यार्थी अखिल भारतीय स्तर तक खेलने के लिए गए जिनमें मुख्य रूप से बॉक्सिंग, रेसलिंग, जूडो, कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो, कराटे, तायक्वोंडो, मलखंभ खेलकूद प्रतियोगिताओं के आधार पर विगत 5 वर्षों का विवरण निम्न है-

IN ALL GAMES				
	GOLD	SILVER	BRONZE	TOTAL
DISTRICT	413	220	43	676
STATE	84	84	36	204
NATIONAL	31	57	43	131

- अखिल भारतीय स्तर पर मुख्य रूप से स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में बॉक्सिंग में कक्षा 4 की खुशी जी ने 10 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य) प्राप्त किया तथा कक्षा 3 की व्यूटी जी ने 6 पदक (3 स्वर्ण, 2 रजत एवं 1 कांस्य) प्राप्त किये हैं।
- कबड्डी में कक्षा 12 की अंशिका जी ने 6 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत) प्राप्त किए तथा कक्षा 12 की प्रेरणा जी ने कुल 6 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत) प्राप्त किए हैं।
- ताइक्वांडो में कक्षा 6 की प्रत्यूषा जी ने अब तक 6 पदक (3 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य) तथा कक्षा 11 की भूमिका जी ने अब तक कुल सात पदक (3 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य) प्राप्त किए।
- योग में कक्षा 8 की सृष्टि जी ने अब तक 9 स्वर्ण पदक तथा कक्षा 9 की रिद्धिमा जी ने अब तक योग में 10 स्वर्ण पदक प्राप्त किये।

- एथलेटिक्स में कक्षा 9 की मेघा जी ने 7 पदक(4स्वर्ण,2 रजत,1कांस्य) तथा कक्षा 7 की तनीषा ने जी ने कुल 7 पदक (3 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य)
- द्वितीय राष्ट्रीय कुबूदो प्रतियोगिता जो दिल्ली में आयोजित की गई थी देवप्रयाग गुरुकुल की बालिकाओं ने 5 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक और 9 कांस्य पदक प्राप्त किये।
- जनवरी 2025 में गुरुकुल देवप्रयाग की 20 बालिकाओं ने अपना साहस, शक्ति और अनुशासन प्रमाणित करते हुए Japan Shotokan Karate-Do Kanninjuku Organisation के माध्यम से ब्लैक बेल्ट अर्जित की है।
- कुश्ती प्रतियोगिता (2024-25) में बालक वर्ग से साहिल जी, राजेश जी, आदित्य जी तथा शुभम जी ने अलग अलग भार वर्गों में उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए।
- **योगासन (अंडर-17 एवं अंडर-19):** में बालक वर्ग से कृष जी, केशव जी, शिवरतन जी, सक्षम जी, अर्पित जी, कुशल जी, निपुण जी, कार्तिक जी तथा अक्षय जी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए।
- **बास्केटबॉल (राज्य स्तर):** में बालक वर्ग से अमन जी ने में शानदार कौशल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए। इस प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ में किया गया।
- गुरुकुल के छात्रों ने राज्य स्तर पर आयोजित SGFI जूडो खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूडो प्रतियोगिता में अमित जी, भुवन जी और राजेश जी ने अलग-अलग भार वर्गों में अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए।
- राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2024-25 की मल्लखंभ प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग में क्रिश जी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-19 वर्ग में निपुण जी ने प्रथम स्थान तथा कार्तिक जी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया।
- नेहरू हॉकी कप में राज्य स्तर पर प्रतिभाग करते हुए पतंजलि गुरुकुलम् की हॉकी टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी उपलब्धि के आधार पर टीम का चयन दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय नेहरू हॉकी कप प्रतियोगिता के लिए किया गया।
- **खेल महाकुंभ 2024-25 (देहरादून):** जूडो प्रतियोगिता में अमित जी, रजनीश जी, भुवन जी तथा अर्थवर्ज जी ने उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रजत एवं कांस्य पदक अर्जित किए।

भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता – 2025-26 में पतंजलि गुरुकुलम् के छात्र/छात्राओं द्वारा विभिन्न खेलों में प्राप्त पदक-

MEDAL TALLY				
	GOLD	SILVER	BRONZE	TOTAL
WRESTLING	10	6	-	16
JUDO	6	2	-	8
MALKHAMBH	2	1	2	5
KABBADI	-	2	1	3
TOTAL MEDAL'S RECEIVED				32

पतंजलि संस्थान द्वारा छात्र-छात्राओं हेतु मूलशास्त्र कण्ठपाठ करने पर पारितोषिक

क्र.सं.	विषय	पुरस्कार राशि (रुपयों में)
1	ऋग्वेद	1,10,000
2	यजुर्वेद	40,000
3	सामवेद	30,000
4	अथर्ववेद	70,000
5	श्रीमद्भगवद्गीता	20,000
6	अष्टावक्र गीता	10,000
7	अष्टाध्यायी	20,000
8	धातुपाठ	5,000
9	उणादिकोश	3,000
10	लिङ्गानुशासन	1,000
11	पारिभाषिक	1,000
12	निघण्टु	1,000
13	ईशोपनिषद्	500
14	केनोपनिषद्	1,000
15	कठोपनिषद्	3,000
16	प्रश्नोपनिषद्	2,000
17	मुण्डकोपनिषद्	3,000
18	माण्डूक्योपनिषद्	500
19	ऐतरेयोपनिषद्	1,000
20	तैत्तिरीयोपनिषद्	2,000
21	श्वेताश्वतरोपनिषद्	3,000
22	ईशादि नौ उपनिषद्	20,000
23	छान्दोग्योपनिषद्	10,000
24	बृहदारण्यकोपनिषद्	10,000
25	अमरकोश	30,000
26	योगविज्ञानम्	30,000

क्र.सं.	विषय	पुरस्कार राशि (रुपयों में)
27	चाणक्य नीति	10,000
28	विदुर नीति	10,000
29	योगदर्शन	1,000
30	सांख्यदर्शन	3,000
31	न्यायदर्शन	5,000
32	वैशेषिकदर्शन	2,000
33	वेदान्तदर्शन	4,000
34	मीमांसा दर्शन	10,000
35	योगदर्शनभाष्य	20,000
36	न्यायदर्शनभाष्य	25,000
37	महाभाष्य (नवाह्निकम्)	25,000
38	सांख्यकारिका	1,500
39	नीतिशतकम्	1,500
40	वैराग्यशतकम्	1,500
41	नारदनीति	3,000
42	100 शब्दरूप	2,000
43	100 धातुरूप	3,000
44	चरकसंहिता	275,000
45	अष्टाङ्गहृदय	70,000
46	उपचार पद्धति	60,000
47	हठप्रदीपिका	10,000
48	घेरण्ड संहिता	10,000
49	योगदर्शनभाष्य (शलाका)	30,000
50	न्यायदर्शनभाष्य (शलाका)	40,000
51	अष्टाङ्गहृदय (शलाका)	65,000
52	प्रथमावृत्ति (शलाका)	30,000
53	काशिका (शलाका)	40,000
54	धातुवृत्ति (शलाका)	40,000
55	महाभाष्य (नवाह्निकम्)	40,000
	कुल योग	1,264,500

गणमान्यों द्वारा गुरुकुल के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन



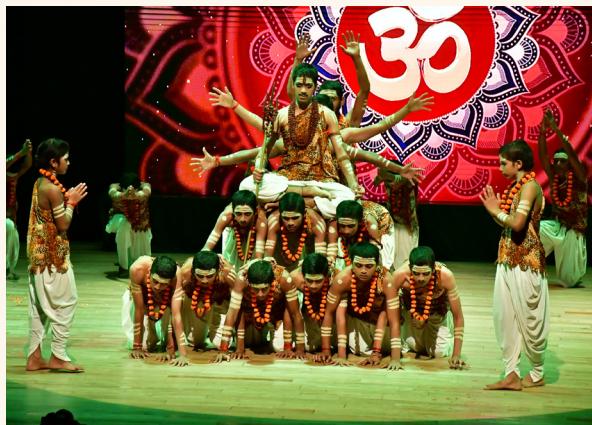
विविध प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राएं



विविध प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राएं



विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक





पतंजलि गुरुकुलम् (बालिका)

पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, उत्तराखण्ड- 249405

suchna@patanjaligurukulam.org.in, www.patanjaligurukulam.org.in +91-8954555999

पतंजलि गुरुकुलम् (बालक)

पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, उत्तराखण्ड- 249405

patanjaligurukulam2@gmail.com, www.patanjaligurukulam.org.in, +91-8954555999

पतंजलि गुरुकुलम् (देवप्रयाग)

टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड- 249126

pgdevprayagofficial@gmail.com, www.patanjaligurukulam.org.in +91-8954555999